हरिभूमि
कोरिया भूमि
बिलासपुर, शुक्रवार 23 जनवरी 2026
बैकुंठपुर | मनेन्द्रगढ़ | चिरमिरी | खड़गवां | भरतपुर-सोनहत | जनकपुर

तापमान

अधिकतम 26 डिग्री

न्यूनतम 12 डिग्री

4 50 लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

खबर संक्षेप

कार्डियल पब्लिक स्कूल में आयोजन आज से

बैकुण्ठपुर। कार्डिल पब्लिक हाई स्कूल हरापारा द्वारा 23 एवं 24 जनवरी को एएलसी और एसलसी 2026 नामक एक विशेष शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत दैनिक जीवन से जुड़े शैक्षणिक प्रयोगों के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं प्रस्तुतीकरण कौशल को मंच प्रदान किया जाएगा। उक्त जानकारी विद्यालय के डायरेक्टर सुरेश साहू ने दी है।

किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष बने दिलीप

सोनहत। भाजपा संगठन किसान मोर्चा की जिला कार्यकारिणी सूची जारी कर सोनहत से दिलीप यादव को जिला उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा है। श्री यादव पूर्व में मंडल सोनहत कार्यकारिणी में मंडल महामंत्री का दायित्व निभा चुके हैं एवं इसके पूर्व विश्व हिंदू परिषद कोरिया के जिलाध्यक्ष रह चुके हैं।

एमसीबी में 2160.48 क्विंटल धान खरीदी

मनेन्द्रगढ़। जिले में 21 जनवरी को कुल 2160.48 क्विंटल धान की खरीदी की गई। केन्द्रवार ऑकड़ों के अनुसार कछोड़ में 82.52 क्विंटल, कमर्जी में 65.64, केल्हारी में 133.64 , कोटाडोल में 54.80, रापा में 27.36, कटकोना में 73.40, कोड़ा में 152.04, कौड़ीमार में 110.48 , खड़गवां में 76.32, बरदर में 88.04, रतनपुर में 22.72, सिंगहत में 40.32, कंजिया में 77.04, कुंवारपुर में 145.68, घुटरा में 72.20 कठौतिया में 64.60, चैनपुर में 93.80 क्विंटल, बंजी में 81.08, जनकपुर में 139.64 , बहरासी में 65.08 , डोडकी में 115.92 , नागपुर में 59.56 , बरबसपुर में 76.22, माड़ीसरई में 125.68 तथा सिंगरौली उपार्जन केन्द्र में 116.80 क्विंटल धान की खरीदी की गई।

सिविल सेवा की मार्ग पर आगे बढ़ने की कलेक्टर ने दी सलाह

निरंतर प्रयास और लगन से मिलती है सफलता

लोकार्पण कार्यक्रम में उपस्थित कलेक्टर, सीईओ व अन्य।

उद्यान का अवलोकन करती कलेक्टर।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

जिले के पंडित ज्वाला प्रसाद उपाध्याय शासकीय महाविद्यालय पटना में गुरुवार को विवेकानंद उद्यान एवं वानस्पतिक उद्यान का लोकार्पण किया गया।

■ पटना कॉलेज में विवेकानंद और वानस्पतिक उद्यान का लोकार्पण

इस दौरान मुख्य अतिथि कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, सीईओ आशुतोष चतुर्वेदी, जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार राय, जितेन्द्र गुप्ता, सहायक संचालक शिक्षा विभाग एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती गायत्री सिंह अध्यक्ष नगर पंचायत पटना, अध्यक्ष जनभागीदारी समिति श्रीमती गीता राजवाड़े, महाविद्यालय संरक्षक रविशंकर शर्मा, फारूख सिद्दीकी, डॉ. महेश मिश्रा, श्रीमती रेखा वर्मा, श्रीमती ज्योति देवांगन, राजेन्द्र पाण्डेय, शंकर सोनी, सुशील सिंह ,कृष्ण मुरारी गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे। अतिथियों ने कॉलेज के छात्र-छात्राओं ⏭ शेष पेज 4 पर

कलेक्टर ने विद्यार्थियों को दिया आत्मबल का मंत्र

बोर्ड परीक्षा का नाम आते ही विद्यार्थियों के मन में तनाव और चिंता घर कर लेती है, लेकिन ऐसे समय में जब प्रशासन स्वयं छात्रों के बीच पहुंचकर उनका हौसला बढ़ाए, तो आत्मविश्वास अपने आप बढ़ जाता है। छग माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं की बोर्ड परीक्षाएं फरवरी माह में आयोजित होने जा रही हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने कन्या उमाशा पटना एवं आत्मानंद इंग्लिश मीडियम विद्यालय पटना का भ्रमण कर विद्यार्थियों से संवाद किया। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने विद्यार्थियों से आत्मीयता के साथ बात करते हुए कहा कि परीक्षा आपके ज्ञान को परखने का माध्यम है, आपकी क्षमता को नहीं। तनाव को खुद पर हावी न होने दें, मेहनत ईमानदारी से करें और अपने लक्ष्य पर भरोसा रखें। उन्होंने छात्रों को प्रतिदिन लिखित अभ्यास करने, समय-सारणी बनाकर पढ़ाई करने और बोर्ड के ब्लू प्रिंट को ध्यान में रखकर तैयारी करने के सरल लेकिन प्रभावी मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। कलेक्टर ने कहा सफलता की पहली सीढ़ी आत्मविश्वास है तो असफलता की पहली सीढ़ी डर है। आत्मविश्वास से सफलता मिलेगी, वहीं डर से असफलता मिलने की संभावना बनी होती है। इसलिए पूरे मनोयोग से पढ़ाई-लिखाई पर फोकस करें। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे विद्यार्थियों को केवल पढ़ाएं ही नहीं, बल्कि उनका मार्गदर्शन और मनोबल भी बढ़ाएं।

विद्या की देवी मां सरस्वती की आज होगी पूजा-अर्चना

बैकुण्ठपुर। विद्या की देवी मॉ सरस्वती की आराधना का पर्व बसंत पंचमी 23 जनवरी को कोरिया-एमसीबी जिले में उल्लास के साथ मनाया जाएगा।

इस दिन सभी विद्यालयों में विद्या की देवी मॉ सरस्वती की विधि -विधान के साथ छात्र-छात्राओं के द्वारा पूजा-अर्चना की जाती है। यह दिन न केवल ऋतुराज बसंत के आगमन का प्रतीक है, बल्कि मॉ सरस्वती प्राकट्य के रूप में भक्तिभाव के साथ मनाया जाता है। इस दिन को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह बना रहता है। इस दिन शहर के विद्यालयों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में छात्र-छात्राओं द्वारा मॉ सरस्वती की अपने विद्यालयों में विधि-विधान के साथ सभी के द्वारा पूजा-अर्चना की जाती है। पूजा को लेकर छात्र-छात्राओं में उत्साह बना रहता है। इस अवसर पर कई विद्यालयों के छात्राओं द्वारा भारतीय परिधान साडी पहनकर अपने विद्यालय में पहुंच कर मॉ सरस्वती के छायाचित्र को सजाकर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की जाती है और प्रसाद वितरण किया जाता है। वहीं ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक से लेकर उच्च विद्यालयों में आज विद्या की देवी मॉ सरस्वती पूजा का उत्साह देखने को मिलेगा। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा अपने साथ अगरबत्ती एवं नारियल लेकर विद्यालय पहुंचते हैं, इसके चलते इस दिन जमकर नारियल अगरबती की बिक्री होती है।

बाल विवाह मुक्त रथ को हरी झंडी

मनेन्द्रगढ़। बच्चों के लिए न्याय तक पहुंच का मतलब है बच्चों को उनके अधिकारों के लिए, हिंसा और शोषण से बचाने के लिए और न्याय प्रणाली में उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कानूनी और सहायक सेवाएं उपलब्ध कराना, जिसमें विशेष कानून, बाल-हितैषी प्रक्रियाएं और सरकारी व गैर-सरकारी संगठनों द वारा सहायता शामिल है, ताकि हर बेच्चे को सुरक्षित और न्यायपूर्ण माहौल मिले।

इसी परियोजना के अंतर्गत बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में बाल विवाह मुक्त जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक एमसीबी श्रीमती रत्ना सिंह तथा विशिष्ट अतिथि जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास आदित्य शर्मा रहे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रीमती रत्ना सिंह ने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति है, इसके उन्मूलन के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने जागरूकता को बच्चों के सुरक्षित भविष्य की कुंजी बताया। जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा ने जानकारी दी कि 100 दिवसीय अभियान के अंतर्गत यह जागरूकता रथ जिले की सभी पंचायतों में भ्रमण कर बाल विवाह के दुष्परिणामों, कानूनी प्रावधानों एवं बच्चों के अधिकारों के प्रति जनसामान्य को जागरूक करेगा।

युवा प्रदीप ने रक्तदान कर बच्ची की बचाई जान

बैकुण्ठपुर। जिला चिकित्सालय बैकुण्ठपुर में भर्ती एक बच्ची को आपात रुप से रक्त की आवश्यकता पड़ने पर शहर के युवा प्रदीप पाठक ने मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए निःस्वार्थ भाव से निःशुल्क रक्तदान किया। उनके इस सराहनीय कार्य से पीड़ित बच्ची के उपचार में मदद मिली और उसकी जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रदीप पाठक के इस सेवा भाव की अस्पताल प्रशासन एवं परिजन द्वारा सराहना की गई।

बालगृह कर्मचारियों को यथावत रखने की मांग, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत एनजीओ द्वारा संचालित बालगृह में कार्यरत कर्मचारियों ने गुरूवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

कर्मचारियों ने ज्ञापन के माध्यम से अपनी सेवाएं यथावत रखे जाने की मांग की है। कर्मचारियों ने बताया कि वे विगत कई वर्षों से अनाथ, निराश्रित एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों की सेवा पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करते आ रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से कोरोना महामारी काल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस कठिन समय में जब पूरा देश भय और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा था, तब भी उन्होंने अपने परिवारों को छोड़कर बालगृह में रहकर बच्चों की देखभाल की।

कर्मचारियों ने बताया कि कोरोना काल में कई महीनों तक वे बालगृह परिसर में ही रहकर बच्चों की सुरक्षा, भोजन, इलाज, पढ़ाई और मानसिक देखभाल की जिम्मेदारी निभाते रहे और अपनी जान की परवाह किए बिना बच्चों को अकेला नहीं छोड़ा। अब कर्मचारियों ने आशंका जताई है कि उनकी सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं, जिससे उनके परिवारों के सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। साथ ही इसका सीधा असर बालगृह में रह रहे बच्चों की देखरेख और व्यवस्था पर भी पड़ेगा, क्योंकि वर्तमान कर्मचारी इस कार्य में पूरी तरह प्रशिक्षित और अनुभवी हैं।

कर्मचारियों ने कलेक्टर से मांग की है कि उनकी सेवा, अनुभव और त्याग को देखते हुए एनजीओ द्वारा संचालित बालगृह में कार्यरत सभी कर्मचारियों को यथावत सेवा में रखा जाए, ताकि बच्चों की देखभाल की व्यवस्था बाधित नहीं हो। इस अवसर पर काफी संख्या में बालगृह कर्मचारी उपस्थित रहे और उन्होंने प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की अपील की।

हर देश का अपना एक राष्ट्रगान, राष्ट्रीय ध्वज होता है। साथ में राष्ट्रगीत और कुछ राष्ट्रीय प्रतीक भी होते हैं। इसके साथ राष्ट्रीय पशु-पक्षी और फूल भी होते हैं। इन सबके बारे में नंदन को उसकी दीदी, मां-पिता और टीचर ने विस्तार से जानकारी दी। इनके बारे में जानकर नंदन को अपने देश पर बड़ा गर्व महसूस हुआ। बच्चो, तुम भी जानो इन सबके बारे में।

देश की शान-पहचान हमारे राष्ट्रीय प्रतीक

ज्ञान वार्ता

विमला भंडारी

नंदन को स्कूल से पुस्तकें मिली थीं। वह बिस्तर पर लेटा हुआ उन्हें उलट-पुलट कर देख रहा था। पुस्तक के अंतिम पृष्ठ पर लिखी पंक्तियां वह गुनगुनाने लगा, 'जन-गण-मन अधिनायक जय हे भारत भाग्य विधाता...।'

राष्ट्रगान का करो सम्मानः नंदन के कमरे के सामने से गुजरती दीदी ने जब अपने छोटे भाई को लेटे-लेटे राष्ट्रगान गाते सुना तो उन्होंने टोका, 'नंदन, यह क्या? राष्ट्रगान को इस तरह लेटकर नहीं गाया जाता।' 'क्यों दीदी?' नंदन ने उठकर बैठते हुए उत्सुकतापूर्वक दीदी से पूछा। 'अरे, तुम्हें इतना भी नहीं पता! राष्ट्रगान को हमेशा सावधान की मुद्रा में खड़े होकर खुले आसमान के नीचे राष्ट्रध्वज के सामने गाया जाता है।' दीदी ने बताया। 'अगर लेटकर, बैठकर या चलते हुए गाएं तो दीदी?' नंदन ने आगे पूछा। 'नहीं, इससे हमारे राष्ट्रगान का अपमान होता है। राष्ट्रगान का सम्मान करना हमारे देश प्रेम की भावना को प्रकट करता है। अब कभी-भी कहीं भी चलते या बैठे हुए तुम्हारे कानों में यदि राष्ट्रगान की धुन भी सुनाई पड़ जाए, तो तुरंत वहीं ठहरकर सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाना। फिर गान की समाप्ति पर श्रद्धा से शीश झुका देना, यह तुम्हारा मातृभूमि को किया गया नमन होगा।' दीदी ने नयन को समझाया।

'ओह दीदी! अनजाने में कितनी बड़ी गलती कर बैठा मैं।' नयन ने अपने माथे पर हाथ रखते हुए कहा। 'अच्छा नंदन, अब मैं चलती हूं। आज शाम को मैं तुम्हें राष्ट्रीय चिन्हों से संबंधित बातें बताऊंगी। अभी मुझे अपने स्कूल जाना है। तुम तो देर से निकलोगे, क्योंकि तुम्हारा स्कूल तो पास में ही है।' दीदी ने अपना बैग समेटते हुए कहा और नंदन को 'बाय' करके अपने स्कूल चली गईं।

जानो अपने राष्ट्रीय चिन्हः दीदी की बातें सुनकर नंदन की उत्सुकता बढ़ गई थी। वह दौड़ा-दौड़ा मां के पास आकर बोला, 'मां-मां, मुझे राष्ट्रीय चिन्हों के बारे में बताओ न!'

'अभी बताती हूं, पहले मेरे पर्स से एक नोट लेकर आओ।' मां बोलीं। नंदन ने मां को एक नोट लाकर दिया। मां बताने लगीं, 'यह देखो नंदन, हमारा राष्ट्रीय चिन्ह जो कि वाराणसी के पास सारनाथ में सम्राट अशोक द्वारा बनाए गए 'सिंह स्तंभ' से लिया गया है। और ये देखो, नीचे की इस चौरस पट्टी के बीच एक चक्र बना हुआ है, जिसके दाईं ओर सांड और बाईं ओर घोड़े का चित्र बना हुआ है। बीच में देखो, 'सत्यमेव जयते' लिखा हुआ है, जो हमारे राष्ट्र का आदर्श वाक्य भी है। 'सत्यमेव जयते' का अर्थ है-सत्य की हमेशा विजय होती है। यही चक्र तुम तिरंगे झंडे में भी देखते हो...।' मां ने बताया।

तीन रंगों वाला हमारा राष्ट्रीय ध्वजः बात जब तिरंगे झंडे की आई तो नंदन झट से बोला, 'हां मां, झंडे के तीनों रंग मुझे मालूम हैं। सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफेद और नीचे हरा।'

'हां, राष्ट्रीय ध्वज की सफेद पट्टी पर नीले रंग का यह चक्र बना हुआ है। जिसे अशोक चक्र कहते हैं। यह हमारी प्रगति का सूचक है। तिरंगे के सभी रंग अपने अंदर संदेश समाहित किए हुए हैं।' तभी पापा ने उसे अपने पास बुलाया, 'इधर आओ नंदन, मैं तुम्हें बताता हूं।' पापा ने नंदन को अपने बगल में बैठाया और बोले, 'झंडे के ऊपर का केसरिया रंग हमारी वीरता का प्रतीक है। यह रंग हमें संदेश देता है कि हम हमारे वीरों

की भांति अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहें। सफेद रंग शांति का प्रतीक है, जो विश्व में शांति का संदेश देता है। हरा रंग हमारी समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक है।' नंदन ने अपने पापा की सारी बातें बहुत ध्यान से सुनीं। उसके स्कूल जाने का समय हो चुका था, तैयार होकर वह स्कूल के लिए निकल पड़ा।

राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत के रचयिताः नंदन स्कूल आया तो वहां प्रार्थना के बाद राष्ट्रगान गाया गया। अपनी क्लास में पहुंचकर नंदन सभी बच्चों को राष्ट्रीय चिन्ह और ध्वज के बारे में बताने लगा। इतने में क्लास टीचर ने प्रवेश किया। उन्होंने अंदर आते समय नंदन की कुछ बातें सुन ली थीं। सभी बच्चों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। 'अच्छा बच्चो, क्या तुम बता सकते हो कि हमारे राष्ट्रगान के रचयिता कौन थे?' क्लास टीचर के इस प्रश्न पर पूरी कक्षा मौन हो गई। टीचर ने बताया, 'रवींद्रनाथ टैगोर, राष्ट्रगान के रचयिता थे। उन्होंने यह गीत 1912 में लिखा तथा इसे राष्ट्रगान के रूप में 24 जनवरी 1950 को स्वीकार किया गया। इसी तरह बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित गीत 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत के रूप में मान्यता मिली है।'

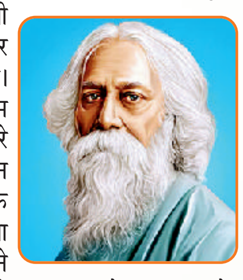

अपने राष्ट्र के महत्व की इतनी सारी रोचक और महत्वपूर्ण जानकारी पाकर नंदन, बहुत खुश और गौरवान्वित महसूस कर रहा था। *

राष्ट्रीय पक्षी, पशु और फूल

घर आने के बाद नंदन दीदी के स्कूल से लौटने का इंतजार करने लगा। वह सोच रहा था कि आज मालूम पड़ी सारी नई जानकारियां बताकर दीदी को चौंका देगा। लेकिन हुआ इसका उल्टा। जब दीदी ने उससे राष्ट्रीय पक्षी, राष्ट्रीय पशु और राष्ट्रीय फूल के बारे में पूछा तो वह नहीं बता पाया। अभी इनके बारे में तो जानना बाकी ही था! दीदी ने नंदन को बड़े प्यार से बताया कि अपना राष्ट्रीय पक्षी मोर, राष्ट्रीय पशु बाघ और राष्ट्रीय फूल कमल है।

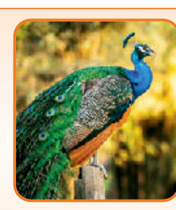

कविता / सूर्यकुमार पांडेय

धम्मक-धम्मक-धम

आई है छब्बीस जनवरी,
खुशियों का आलम।
लहर रहा हर ओर तिरंगा,
फहर रहा परचम।
धम्मक-धम्मक-धम।
धम्मक-धम्मक-धम।
संविधान की रक्षा की,
खाते हैं आज कसम।
'जन-गण-मन' के साथ गा रहे,
'वंदे मातरम्' हम।
धम्मक-धम्मक-धम।
धम्मक-धम्मक-धम।
देश हमारा दिन-दिन विकसित,
करें सभी परिश्रम।
शांति-अहिंसा वाला मौसम,
बना रहे हरदम।
धम्मक-धम्मक-धम।
धम्मक-धम्मक-धम।

कविता / राजेंद्र श्रीवास्तव

गाओ वंदे मातरम्

गाओ वंदे मातरम्
गाओ वंदे मातरम्।
राष्ट्रगीत के बोल निराले।
मन में ओज जगाने वाले।
मनभावन लय स्वर सरगम।
गाओ वंदे मातरम्।
जननी जन्मभूमि की जय हो।
जग में यश अनंत अक्षय हो।
सुखदाई शुभ सुंदरम्।
गाओ वंदे मातरम्।
आओ मिलकर कदम बढ़ाएं।

भारत माता का यश गाएं।
ध्वज निर्भय फहराएं हम।
गाओ वंदे मातरम्।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

देशभक्ति बाल कविताएं

बच्चो, हाल में छपकर आई 'हम हैं सैनिक भारत के' किताब में 101 देशभक्ति की भावना से भरी हुई कविताएं संकलित हैं। इसके रचनाकार डॉ. वेद मित्र शुक्ल हैं। इस किताब में ज्यादातर कविताएं, भारत के वीर सैनिकों, स्वाधीनता सेनानियों और भारतीय सेना के अदम्य साहस पर लिखी गई हैं। पहले खंड में तुम उन परमवीर चक्र विजेता सैनिकों के बारे में कविताएं पढ़ सकते हो, जिन्होंने अलग-अलग युद्धों में अदम्य वीरता का परिचय दिया। इनके अलावा वीर सेनानी महापुरुष, भारत की सेनाएं, राष्ट्रीय पर्व, प्रयाण गीत समेत कुछ अन्य खंडों में भी ओज से भरी अनेक देशभक्ति की कविताएं पढ़ सकते हो। बच्चो, इस किताब में संकलित देशप्रेम में रंगी इन प्यारी-प्यारी कविताओं को पढ़कर निश्चित ही तुम्हारे मन में देशभक्ति की भावना का संचार होगा। तुम भी अपने देश के विकास और उसकी सुरक्षा में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित होगे। *

किताब : हम हैं सैनिक भारत के (बाल कविताएं), **लेखक :** डॉ. वेद मित्र शुक्ल, **मूल्य :** 395 रुपए, **प्रकाशक :** सर्वभाषा प्रकाशन, नई दिल्ली

बूझो तो जानें

1
वर्ष के प्रथम माह में आती,
धूमधाम से मनाई जाती,
लागू हुआ इस दिन संविधान,
बढ़ाया हमारा मान-सम्मान।

2
तिरंगे की जो शोभा बढ़ाए,
गतिशीलता का प्रतीक बन जाए,
चौबीस तीलियां जिसमें समाएं,
बताओ बच्चो, वह क्या कहलाए।

3
एक रंग है साहस का,
दूजा शांति का कहलाता,
तीजा रंग है उर्वरता का,
देश की शान है माना जाता।

-नलिन खोईवाल

उत्तर : 1. 26 जनवरी, 2. अशोक चक्र, 3. तिरंगे के तीन रंग- केसरिया, सफेद और हरा

जीके क्विज-189

1. इस साल गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि कौन होंगे?
2. इस वर्ष कौन-सा गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है?
3. आज भारत के किस महान स्वाधीनता सेनानी की जयंती है?
4. भारतीय सेना दिवस कब मनाया जाता है?
5. हाल ही में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व किस राज्य में मनाया गया?
6. भारत का संविधान किस वर्ष लागू हुआ था?
7. भारतीय संविधान की ड्राफ्टिंग कमिटी के अध्यक्ष कौन थे?
8. भारतीय संविधान में कितने मूल अधिकार शामिल हैं?
9. संविधान सभा के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
10. राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' किसने लिखा था?

बच्चो, जीके क्विज-189 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-188 का उत्तर : 1.उत्तर प्रदेश, 2.सोजर्ड मारिजने, 3.जस्टिस सूर्यकांत, 4.दिल्ली, 5.अल्बर्ट आइंस्टाईन, 6.अमेजन वर्षा वन, 7.महाराष्ट्र, 8.जम्मू कश्मीर, 9.सहारा, 10.जवाहरलाल नेहरू

जीके क्विज-188 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, शुभम-दुर्ग, गुंजा-रायपुर, सचिन-बिलासपुर, हर्ष-रोहतक, रचित-बिलासपुर, काव्या-बेमेतरा, सूरज-रायगढ़, किंशुक-महासमुंद, प्राची-बालोद

कहानी

डॉ. अलका जैन 'आराधना'

हर बार बड़े उत्साह से वसंत पंचमी का उत्सव मनाने वाले सोहम का इस बार मन सही नहीं था। असल में उसके पास पहनने के लिए पीली ड्रेस नहीं थी। दोस्तों को जब यह बात पता चली तो उन्होंने सोहम को पीले रंग की छटा से ऐसा सजाया कि वह वसंत राजा बन गया। वासंती रंग में रंगी दोस्तों की एक प्यारी-सी कहानी।

वसंत राजा

हर साल वसंत पंचमी उत्सव में सबसे आगे रहने वाला सोहम इस बार शांत था। कॉलोनी के पार्क में बच्चे वसंत उत्सव की तैयारी में लगे थे। वे रंग-बिरंगे रिबन, पीले फूलों की झालरें लगा रहे थे, लेकिन सोहम के भीतर कोई उमंग-उत्साह नहीं दिख रहा था। यह देखकर आयुष ने पूछा, 'अरे सोहम, वसंत पंचमी का त्योहार है और तुम ऐसे उदास क्यों हो?'

सोहम नजरें झुकाते हुए बोला, 'ऐसा कुछ नहीं है, बस यूं ही शांत हूं।'

सारा तुरंत बोली, 'ऐसा कुछ नहीं क्या..? तुम तो वसंत पंचमी उत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हो। याद है, पिछले साल तुमने सबसे बड़ी रंग-बिरंगी पूंछ वाली पतंग उड़ाई थी।' सोहम धीरे से बोला, 'इस बार मन नहीं है।' लेकिन ऐसा क्यों, उसने दोस्तों को इसकी वजह नहीं बताई।

कुछ देर बाद दोपहर में सजे पार्क में सब बच्चे नई पीली ड्रेस पहनकर चहक रहे थे। कियारा दोस्तों के बीच उछलते हुए आई और बोली, 'मुझे देखो, मेरी मम्मी ने मेरे लिए सरसों के फूल जैसी कितनी प्यारी-सी फ्रॉक बनाई है।'

अनंत हंसते हुए बोला, 'और मेरा कुर्ता भी देखो, मैं चलता हूं तो लगता है हवा लहरा रही है।' सब बच्चे खुश तो थे, लेकिन अपने बीच सोहम के ना होने की कमी उन्हें अखर रही थी। आयुष से ना रहा गया, बोला, 'कुछ गड़बड़ है। हमें पता लगाना चाहिए, सोहम आज वसंत उत्सव में आखिर क्यों नहीं शामिल हुआ?'

सारा भी बोली, 'हां, सोहम के बिना वसंत पंचमी का उत्सव फीका लग रहा है।'

कियारा बोली, 'चलो, उसके घर चलते हैं। जानते हैं कि वह वसंत उत्सव में क्यों नहीं आया?' तीनों सोहम के घर पहुंचे।

सोहम दोस्तों को देखकर चौंका, 'अरे, तुम लोग यहां!' आयुष ने आगे बढ़कर सोहम के कंधे पर हाथ रखा और प्यार से पूछा, 'सच-सच बताओ दोस्त, तुम वसंत उत्सव कार्यक्रम में क्यों नहीं आए?'

सोहम थोड़ा रुका, फिर धीमी आवाज में बोला, 'मेरे पास वसंत उत्सव में पहनने के लिए पीली ड्रेस नहीं है। इस महीने घर में बहुत ज्यादा खर्चा था, इस वजह से मम्मी-पापा ड्रेस खरीद नहीं पाए। पुरानी ड्रेस तो छोटी हो गई है। सब लोगों ने तो इतनी सुंदर-सुंदर पीली ड्रेस पहन रखी हैं। मैं अकेला पुरानी ड्रेस में बुरा लगूंगा, इसलिए नहीं आया।' सारा ने अपनी आंखें गोल-गोल घुमाईं और बोली, 'बस इतना सा कारण। अरे! तो हम लोग किसलिए हैं?'

अनंत मुस्कुराया, 'मिशन पीला सोहम शुरू!' सबसे पहले आयुष घर जाकर अपने पापा की पुरानी पीली टी-शर्ट लेकर आया। उसने पूछा, 'ये कैसी है?'

सोहम ने टी-शर्ट देखते ही कहा, 'अरे! यह तो मेरे घुटनों तक आएगी!'

सब हंसने लगे। तभी कियारा भी अपने घर भागी और अपने भाई की पीली जैकेट लेकर आई। सोहम को देकर बोली, 'यह पहन लो।' सोहम ने जैकेट पहनी। जैकेट की चेन बीच में फंस गई। सोहम बोला, 'इसके अंदर तो मेरी सांसें बंद हो जाएंगी।'

अनंत बोला, 'रुको, मेरे पास आइडिया है।' यह कहते हुए वह बहुत तेजी से अपने घर की ओर भागा और पीले रिबन, पीला चार्ट पेपर, ग्लिटर और स्टार स्टिकर्स लेकर लौटा। सारा उछल पड़ी, 'वाह! अब हम स्वयं बनाएंगे वसंत राजा सोहम की वसंत पंचमी ड्रेस। सबसे यूनिक ड्रेस होगी यह।'

कॉलोनी के पार्क की बेंच पर बैठकर बच्चों ने ड्रेस डिजाइनिंग शुरू की।

अनंत ने पीले-पीले रिबन काट-काटकर उसके कंधों पर लगाए। कियारा ने उसके सीने पर एक सूरजमुखी के शेप का ब्रोच भी लगा दिया।

सारा ने ग्लिटर से लिखा-वसंत राजा। सोहम ने जब अपनी नई ग्लिटरी थोड़ी टेढ़ी और चमकदार ड्रेस पहनी तो वह आश्चर्यचकित रह गया, बोला, 'सच में क्या मैं वसंत राजा लग रहा हूं?'

आयुष बोला, 'अरे, तुम राजा क्या चलती-फिरती वसंत की बहार हो!'

सब खिलखिला कर हंस पड़े।

वसंत पंचमी कार्यक्रम शुरू हुआ। मंच पर ड्रेस शो के लिए बच्चों को बुलाया जाने लगा। एनाउंसर ने एनाउंस किया, 'और अब आ रहा है हमारा वसंत का राजा!'

स्पॉटलाइट जैसे ही सोहम पर पड़ी लोग उछल पड़े। कार्यक्रम स्थल तालियों से गूंज उठा। एक अंकल बोले, 'इतनी क्रिएटिव ड्रेस डिजाइनिंग किसने की है?'

आयुष, सारा, अनंत और कियारा एक साथ बोले, 'हमने!' फिर सोहम ने माइक पर आकर बताया, 'मेरे दोस्तों ने मुझे अहसास कराया कि त्योहार पर दोस्त साथ हों तो कभी कोई फीका नहीं पड़ सकता। खुशियों से खिल उठता है।'

इसी बीच जजेस ने ऐलान किया, 'वसंत पंचमी की बेस्ट ड्रेस का पुरस्कार सोहम को मिलेगा।'

पूरा कार्यक्रम स्थल एक बार फिर तालियों से गूंज उठा। बच्चे भी खुशी से नाच उठे। *

कविता

डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'

लो, वसंत की ऋतु आई है!

लगे परी-सी धरती रानी,
देख इसे होती हैरानी।
निखर उठी है अजब छटा से
आज अनोखी प्रकृति सुहानी।
पेड़ झूमते हैं मस्ती में,
डाली-डाली बौराई है।
लो वसंत की ऋतु आई है।
फूलों से लद गए बगीचे,
भौंरे फिरते आंखें मींचे।
यों लगता है जैसे अंबर,
भू पर भर-भर खुशी उलीचे।
शहद सरीखे इस मौसम का
रंग-ढंग सब सुखदाई है।
लो, वसंत की ऋतु आई है।
नाच रही गेहूं की बाली,
झूम रही सरसों मतवाली।
देख नजारा पौध चने के
हंस-हंस बजा रहे हैं ताली।
कोयलिया का गीत, हवा की
सरगम सबके मन भाई है।
लो वसंत की ऋतु आई है।

रंग भरो-194

रंग भरो-194 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

रशिका, जांजगीर

समृद्धि, शहडोल

धरा, रायपुर

पयोधि, अंबिकापुर

ओविया, बिलासपुर

प्रमाण, बालोद

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

भूमि-अटेली मंडी, अमोल-बेमेतरा, आशना-जांजगीर, चेतन-दुर्ग, दिशांत-महेंद्रगढ़, कल्पित-बालोद, कुहू-बिलासपुर, रेयांश-बिलासपुर, खुशी-भिवानी, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सोहम-रोहतक, हर्षिता-कोरबा

रंग भरो 195

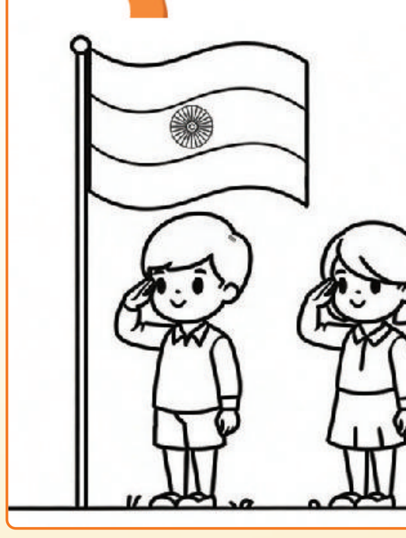

बच्चो, इस ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में दो बच्चे रिपब्लिक-डे के अवसर पर हमारे नेशनल फ्लैग को सैल्यूट कर रहे हैं। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम **बालभूमि** में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

दलदल का ट्रेलर जारी, सीरियल किलर के छक्के छुड़ाएंगी डीसीपी रीटा

मुंबई। क्राइम थ्रिलर सीरीज 'दलदल' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। मुंबई शहर की पृष्ठभूमि पर बनी 'दलदल' की कहानी डीसीपी रीटा फरेरा (भूमि) के इर्द-गिर्द घूमती है। वह एक खतरनाक जांच पर निकलती हैं, जहां उन्हें एक बेरहम सीरियल किलर को पकड़ना होता है। ट्रेलर में डीसीपी रीटा फरेरा (भूमि) की खौफनाक दुनिया का सफर दिखाया गया है, जिसे भूमि सतिश पेडनेकर ने बेहद सशक्त अंदाज में निभाया है। ट्रेलर में क्रूर और सोचे-समझे किए गए हत्याकांड सामने आते हैं, जो एक कातिल की घिनौनी सोच को दिखाता हैं। जैसे-जैसे लाशों की संख्या बढ़ती जाती है, रीटा इस अंधेरी और डरावनी जांच में खुद को और गहराई तक फंसा हुआ पाती है। विश धामिजा की बेस्टसेलिंग किताब 'भेंडी बाजार' पर 'दलदल' आधारित है। इस सीरीज को अमृत राज गुप्ता ने निर्देशित किया है। विक्रम मल्होत्रा और सुरेश त्रिवेणी ने इसका निर्माण किया है। इसे श्रीकांत अग्निस्वरन, रोहन डिसूजा और प्रिया सग्गी ने लिखा है। भूमि सतिश पेडनेकर के साथ इस सीरीज में समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी अहम भूमिकाओं में हैं।

लाइफ Style

राशा
लाइकी लाइका में सिंगिंग डेब्यू

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। फिलहाल राशा अपने सिंगिंग डेब्यू को लेकर चर्चा में हैं जो उन्होंने इसी फिल्म 'लाइकी लाइका' में गाया है। लोग राशा की तारीफें करते नहीं थक रहे हैं। रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में हैं।

एजेंसी ⏭ मुंबई

अपनी अपकमिंग फिल्म 'लाइकी लाइका' से राशा ने फिल्मी दुनिया में सिंगिंग डेब्यू किया है। इस गाने का वीडियो सामने आ चुका है और फैन्स उनकी आवाज की तारीफें करते नहीं थक रहे। राशा थडानी बॉलीवुड में एंट्री करने से पहले भी सोशल मीडिया पर अपना सिंगिंग टैलेंट दिखा चुकी हैं। अब पहली बार वो फिल्मों में गाने जा रही हैं। इस गाने के साथ वो अपनी एक्टिंग जर्नी एक अलग लेवल पर ले जा रही हैं। राशा ने फिल्म 'लाइकी लाइका' के गाने 'चाप तिलक' से अपने सिंगिंग की शुरुआत की है। बॉलीवुड स्टार किड्स की दुनिया में रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने डेब्यू को लेकर खूब सुर्खियां बटोरी थीं। अजय देवगन की फिल्म 'आजाद' से राशा ने डेब्यू किया। हालांकि, ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। अब उनकी अगली फिल्म 'लाइकी लाइका' को लेकर लोगों को काफी उम्मीदें हैं। 'लाइकी लाइका' एक दमदार रोमांटिक ड्रामा फिल्म बताई जा रही है। इस फिल्म में दो कलाकार राशा और मुंज्या (2024) फेम अभय वर्मा नजर आएंगे। सौरभ गुप्ता के डायरेक्शन और भावना तलवार और राघव गुप्ता द्वारा प्रड्यूस ये फिल्म यंग कपल की कहानी है। ये फिल्म इस साल गर्मियों में रिलीज होने जा रही है जो शुरुआत से ही जबरदस्त चर्चा में है।

हॉलीवुड मसाला

कान्ये वेस्ट भारत में करेंगे लाइव कॉन्सर्ट!

मुंबई। दुनिया के सबसे अमीर, सबसे मशहूर रैपर कान्ये वेस्ट भारत में लाइव कॉन्सर्ट करने वाले हैं! जी हां, एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 24 बार ग्रैमी जीत चुके कान्ये अप्रैल 2026 में अपना पहला इंडिया टूर लाने वाले हैं। हालांकि, अभी तारीखों और शहरों की पुष्टि नहीं है। कान्ये वेस्ट भारत में अपना कॉन्सर्ट डेब्यू करेंगे। मॉडर्न म्यूजिक के साउंडस्केप को बदलने के लिए पहचाने जाने वाले कान्ये को 'ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम रैपर' कहा जाता है। आई वंडर, गोल्ड डिगर, रनअवे और हार्टलेस के लिए मशहूर कान्ये उन सेलेब्स में से हैं, जो अपने काम के साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। कान्ये वेस्ट का नाम सिर्फ उनके हिट सिंगल्स तक ही सीमित नहीं है।

द ड्रैगन लिव्स अगेन के लिए मशहूर थे ब्रूस

लॉस एंजिल्स। मशहूर मार्शल आर्टिस्ट और 'कुंग फू हसल' के अभिनेता ब्रूस लेउंग का 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उन्हें लेउंग सिउ-लंग के नाम से भी जाना जाता था। ब्रूस लेउंग कई मार्शल आर्ट फिल्मों में काम करने के लिए जाने जाते हैं, जिनमें 1977 की 'द ड्रैगन लिव्स अगेन' और 1978 की 'मैग्निफिसेंट बॉडीगार्ड्स' शामिल हैं। इनमें उन्होंने जैकी चैन के साथ अभिनय किया था। 2004 में उन्होंने स्टीफन चाउ की फिल्म 'कुंग फू हसल' में खलनायक बीस्ट के रूप में शानदार वापसी की। अभिनेता के निधन पर दुख जताते हुए 'कुंग फू हसल' के निर्देशक और अभिनेता स्टीफन चाउ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'श्री लियुंग सिउ-लंग को हमेशा याद रखेंगे। दिग्गज अभिनेता जैकी चैन ने भी सोशल मीडिया पर दिवंगत अभिनेता के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, 'एक पल के लिए तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ और मैं यकीन करना भी नहीं चाहता था। वे हमेशा से कुंग फू के उस्ताद थे, जो पारंपरिक मार्शल आर्ट की कई विधाओं में निपुण थे और हर विधा में अपनी अनूठी शैली को अभिव्यक्त करने में सक्षम थे।

ओ रोमियो का ट्रेलर रिलीज एक्शन करते दिखे शाहिद

मुंबई। विशाल भारद्वाज की फिल्म 'ओ रोमियो'का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है। शाहिद कपूर उस्तरा के किरदार में एक्शन करते नजर आए। शाहिद कपूर की फिल्म 'ओ रोमियो' का ट्रेलर 21 जनवरी को रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में रोमांस से लेकर एक्शन का तालमेल दिखाया गया है। इस फिल्म को देखकर फैंस को शाहिद की फिल्म 'कबीर सिंह' की याद जरूर आ जाएगी। शाहिद कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म 'ओ रोमियो' का ट्रेलर शेयर किया और साथ ही कैप्शन में लिखा, 'उस्तरे से पंगा नहीं लेने का, शरीर से आत्मा काट के ले जाता है।' विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित फिल्म 'ओ रोमियो' 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शाहिद के इस पोस्ट पर कई फैंस ने फायर और लाल दिल वाले इमोजी शेयर किए हैं। 'ओ रोमियो' के ट्रेलर में आपको रोमांस के साथ भरपूर एक्शन देखने को मिलेगा।

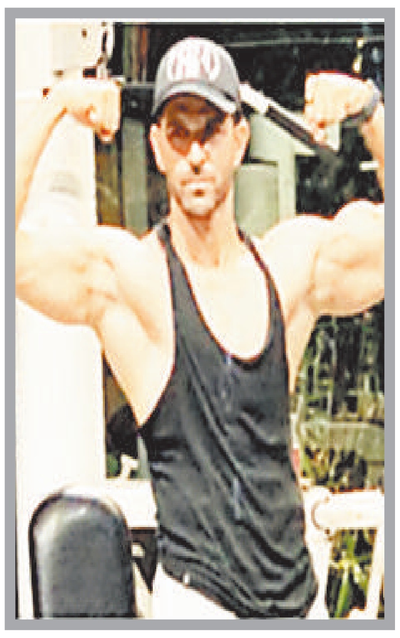

2016 वायरल ट्रेंड में शामिल हुए ऋतिक

मुंबई। बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड' ऋतिक रोशन ने 2016 के ट्रेंड को फॉलो करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में ऋतिक ने तस्वीरों के जरिए अपनी कई खूबसूरत यादों को साझा किया है। इन तस्वीरों में फिटनेस के लिए ऋतिक का प्यार साफ झलक रहा है। ऋतिक ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई शानदार तस्वीरों को शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। पहली तस्वीर में ऋतिक अपने बाइसेप्स को फ्लॉन्ट करते नजर आ रहे हैं। दूसरी और तीसरी तस्वीर में भी ऋतिक दोनों हाथों को उठाए बाइसेप्स दिखा रहे हैं। चौथी तस्वीर ऋतिक के बचपन की है; इस तस्वीर में भी फिटनेस के लिए ऋतिक का क्रेज देखा जा सकता है। बाकी की सभी तस्वीरों में ऋतिक जिम में कसरत करते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों से साफ पता चलता है कि ऋतिक बचपन से ही फिटनेस फ्रीक रहे हैं।

टीवी मसाला

पोपटलाल की लव स्टोरी रेशमी से शादी की तो नहीं आया परिवार

नई दिल्ली। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में काफी लंबे समय से इस बात का इंतजार हो रहा है कि पोपटलाल की शादी कब होगी। दर्शक भी पलकें बिछाएं उस दिन के इंतजार में हैं, जब पोपटलाल घोड़ी चढ़ेगा। पोपटलाल की शादी के लिए टीम जयपुर पहुंचने वाली है। वैसे आपको बताते हैं कि पोपटलाल का किरदार निभाने वाले श्याम पाठक असल जिंदगी में शादीशुदा हैं और उनके बच्चे भी हैं। लेकिन, उनकी शादी में परिवार नहीं आया था। उनकी पत्नी का नाम रेशमी और वह तीन बच्चों के पिता हैं। श्याम पाठक का पूरा नाम श्याम नवनीत भाई पाठक है, और उनकी जिंदगी में एनएसडी का बेहद अहम रोल रहा है। दरअसल, यहीं पढ़ाई करते हुए उनकी मुलाकात अपनी जिंदगी के प्यार और हमसफर रेशमी से हुई थी। धीरे-धीरे श्याम पाठक और रेशमी एक-दूसरे को दिल दे बैठे और फिर शादी का फैसला कर लिया। हालांकि, बताया जाता है कि श्याम पाठक के घरवाले उनके इस रिश्ते के खिलाफ थे। दरअसल, श्याम पाठक गुजराती हैं और रेशमी केरल की रहने वाली हैं। दो अलग-अलग संस्कृति के कारण ही घरवाले श्याम पाठक और रेशमी की शादी के खिलाफ थे। रेशमी के घरवालों को भी यह रिश्ता नामंजूर था। ऐसे में श्याम पाठक ने एक रास्ता निकाला। श्याम पाठक को अंदाजा हो गया कि अगर उनके परिवार वाले इस रिश्ते के लिए मान भी गए, तो भी रेशमी का परिवार नहीं मानेगा।

द 50 का सामने आया नया प्रोमो

नई दिल्ली। चर्चित रियलिटी शो द 50 का एक नया प्रोमो जारी किया गया है। इसमें उस आलीशान घर का कोना-कोना दिखाया गया है, जहां पर शो के 50 कंटेस्टेटंस आकर रहेंगे। इसमें कायदे-कानून भी बताए गए हैं। साथ ही ये भी खुलासा किया गया है कि अहम भूमिका लायन की ही रहेगी। 'द 50' के नए प्रोमो की शुरुआत आलीशान महल से होती है, जो बेहद कलरफुल है और काफी एंटीक चीजों से सजाया गया है। इंटीरियर काफी लुभाने वाला है। बैकग्राउंड में लायन की आवाज आती है, 'यहां का बस एक ही नियम होगा कि यहां कोई नियम नहीं होगा।' इस शो के दो रंग होगे- एक ड्रामा और एक हंगामा। साथ ही एक कोर्टयार्ड होगा, जहां पर टास्क होगा, और वहीं तय होगा कि कौन रहेगा और कौन बाहर जाएगा। बिग बॉस की तरह, इस शो में लायन कंटेस्टेटंस को कंट्रोल करेगा। और सभी पर नजर रखेगा। इसके अलावा, लायन की एक डेन (गुफा) भी होगा, जहां कंटेस्टेटंस के बीच फेस-ऑफ होगा और उससे गेम में नया आयाम जुड़ेगा।

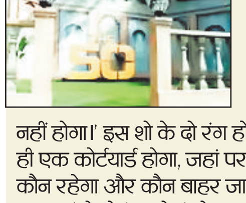

बॉर्डर 2 को बिना किसी कट के मिला सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट

मुंबई। सिनेमाघरों में 'बॉर्डर 2' रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस फिल्म की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो गई है और दो दिन में इसने करीह 3.34 करोड़ रुपए कमा लिए हैं। 23 जनवरी को बड़े पर्दे पर उतारने से पहले इसे सेंसर बोर्ड के पास भेजा। जहां से इसको सर्टिफिकेट तो मिला ही। साथ ही कोई कट भी नहीं लगा। इसके अलावा, इसने रिलीज से पहले ही रनटाइम में धर्मेंद्र की हकीकत को पीछे कर दिया है। सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म बॉर्डर 2 साल 1997 में आई 'बॉर्डर' का सीक्वल है। इसकी कहानी 1971 में भारत-पाकिस्तान की जंग पर आधारित है। इस वॉर ड्रामा फिल्म को बिना किसी कट के सेंसर बोर्ड ने पास कर दिया है और सर्टिफिकेट पर इसका रन टाइम 3 घंटे 16 मिनट लिखा है, जिससे ये बॉलीवुड की सबसे लंबी वॉर फिल्मों से एक बन गई है।

रन टाइम में हकीकत को छोड़ा पीछे

अनुराग सिंह की डायरेक्टेड इस मूवी में सनी भारतीय सेना की 6वीं सिख रेजिमेंट के लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कलेर की भूमिका निभाएंगे। वहीं, वरुण धवन मेजर होशियार सिंह दहिया, दिलजीत फ्लाइंग जनरल ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों और अहान शेट्टी लेफ्टिनेंट कमांडर एमएस रावत की भूमिका में होंगे। बॉलीवुड की सबसे लंबी वॉर फिल्मों की बात करें तो उसमें जेपी दत्ता की 'एलओसीः कारगिल' है, जो 2003 में आई थी। इसरा रन टाइम 4 घंटे 15 मिनट था। हालांकि, ये फ्लॉप रही थी। 33 करोड़ के बजट में बनी इस मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर दुनियाभर में 31-32 करोड़ का ही कलेक्शन किया था। दूसरे नंबर पर धर्मेंद्र की हकीकत है, जो 1964 में आई थी। इसे चेतन आनंद ने डायरेक्ट किया था।

रंजीत के फिल्मों में आने का दिलचस्प है किस्सा

नई दिल्ली। बॉलीवुड में रंजीत एक विलेन के तौर पर मशहूर हुए हैं। हाल ही में उन्होंने अमर उजाला से खास बातचीत में अपने करियर और फिल्मों में आने को लेकर बात की है। एक्टर रंजीत हिंदी फिल्म का एक जाना माना नाम हैं। उन्होंने बॉलीवुड की लगभग 200 फिल्मों में काम किया है। दुलारा, करण अर्जुन, बॉर्डर, बुलन्दी और वेलकम उनकी कुछ खास फिल्में हैं। हाल ही में उन्होंने अमर उजाला से खास बातचीत की है। उन्होंने फिल्मों में आने और अपने करियर के बारे में कुछ खास बातें की हैं। उन्होंने बताया है कि जब उनके परिवार को पता चला कि वह फिल्मों में काम करते हैं तो उनका रिएक्शन कैसा था।

घर में फिल्म देखने का रिवाज नहीं था

रंजीत ने बातचीत में बताया 'मैं आपको सच बताता हूं। हमारे खानदान में फिल्म देखना तो दूर एक मैगजीन भी नहीं पकड़ सकते थे। मेरी फैमिली बहुत ऑर्थोडॉक्स थी। पहले मैंने एयरफोर्स ज्वाइन किया था। उसके बाद वहां से निकाल दिया गया। जब मैं हिंदू कॉलेज में था तो मैंने फिल्म इंडस्ट्री के बारे में सुना था। फिल्म कभी नहीं देखी थी। धर्मेंद्र और दिलीप कुमार जैसे कलाकारों के पोस्टर देखे थे। मैंने कभी फिल्मों में जाने का नहीं सोचा था। एक बार मैं अपने दोस्त के घर गया था। वहां पर मुझे एक आदमी मिला था। उनका नाम रणवीर सिंह था। वह हॉलीवुड से जुड़े थे। उन्होंने मुझे सीधे ऑफर किया कि क्या आप फिल्मों में काम करेंगे?

जो आदमी फ्रॉड लग रहा था उसी ने काम दिया

रंजीत ने आगे कहा 'मैंने सुना था कि कुछ लोग मुंबई से आते हैं और एक छोटे एड में काम देते हैं। इसके बाद निकाल देते हैं। इसके अलावा लड़कियों की फोटो ले लेते हैं और उनको परेशान करते हैं। लड़कों से वह बोलते हैं कि पैसा जमा करो वरना नुकसान हो जाएगा। पहले मुझे वह आदमी फ्रॉड लगा। हालांकि वह मेरे दोस्त के यहां था, तो लगा कि ठीक होगा। उसने मुझसे कहा कि लंच पर मिलते हैं फिर बात करेंगे। फिर उन्होंने मुझे बुलाया। उन्होंने मुझसे कहा कि ड्राइवर के साथ हेल्पर का रोल करने वाला एक लड़का चाहिए। फिर मुझे लगा कि अगर इसने मुझसे पैसे मांगे तो मैं इसके ऊपर हाथ उठा दूंगा। उसने पहली बार मुझसे बोला कि पिक्चर देखा करो। तो मैंने छिपकर पहली पिक्चर गाइड देखी। इसके बाद कनॉट प्लेस में मैंने कई फिल्में देखीं।

नई पीढ़ी भी रामकथा से जुड़ रही और उनके जीवन मूल्यों से ले रही प्रेरणा

पर्दे पर श्रीराम का किरदार निभाकर दर्शकों के चहेते बने ये सितारे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण भारतीय सिनेमा से लेकर बॉलीवुड और टेलीविजन जगत तक, विभिन्न माध्यमों ने श्रीराम के जीवन, संघर्ष और मर्यादा को समय-समय पर पर्दे पर उतारा है। सनातन धर्म की मूल आत्मा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम में निहित मानी जाती है। उनके आदर्श, जीवन-मूल्य और भक्ति के लिए दिए गए संदेश आज भी जन-जन के मार्गदर्शक हैं। कैलेंडर में 22 जनवरी की तिथि का विशेष धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व है। वर्ष 2024 में इसी दिन अयोध्या स्थित राम मंदिर में रामलला की भव्य प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई थी। भगवान श्रीराम की कृपा, उनके चमत्कार और आदर्शों की गूंज केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रही है। दक्षिण भारतीय सिनेमा से लेकर बॉलीवुड और टेलीविजन जगत तक, विभिन्न माध्यमों ने श्रीराम के जीवन, संघर्ष और मर्यादा को समय-समय पर पर्दे पर उतारा है। इन प्रस्तुतियों के जरिए नई पीढ़ी भी रामकथा से जुड़ रही है और उनके जीवन मूल्यों से प्रेरणा ले रही है।

एनटी रामा राव के नाम पर बने मंदिर

एनटी रामा राव ने राम के अलावा 17 फिल्मों में भगवान कृष्ण का किरदार निभाए। उन्होंने पहली बार 1963 की फिल्म लव कुस में भगवान राम की भूमिका निभाई थी। उन्होंने भगवान राम, भगवान शिव, भगवान कृष्ण और भगवान विष्णु को रोल फिल्मों में प्ले किया। जिसके बाद हैदराबाद में उनका घर एक तीर्थ स्थल माना जाने लगा. भक्त असली मंदिरों में जाने से पहले वहां मत्था टेकते थे। 1970 के दशक में आंध्र प्रदेश में उनके नाम पर आधा दर्जन मंदिर बने, जिनमें उन्हें राम और कृष्ण अवतार में दिखाया गया।

एनटीआर

अभिनेता एनटीआर (एन.टी. रामाराव) ने कई फिल्मों में भगवान राम की भूमिका निभाई, इनमें लव कुश, श्री रामानजनेय युद्धम और सीता राम कल्याणम जैसी फिल्में शामिल हैं। उन्होंने अन्य देवताओं की भूमिकाएं भी निभाईं, लेकिन राम भूमिका सबसे यादगार रही। साल 1997 में रिलीज हुई पौराणिक फिल्म बाला रामायणम में जूनियर एनटीआर ने बाल राम की भूमिका निभाई थी। वहीं, स्मिता माधव ने माता सीता का किरदार किया था। गुनाशेखर निर्देशित इस फिल्म ने उसी वर्ष सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। फिल्म रामायण की घटनाओं, खासकर वनवास की कथा को बच्चों के माध्यम से दिखाती है।

शोभन बाबू

साल 1972 में बनी फिल्म 'संपूर्ण रामायण' में शोभन बाबू ने राम और चंद्रकला ने सीता की भूमिका निभाई थी। वहीं, फिल्म श्री राम राज्यम'में नंदमुरी बालकृष्ण ने राम, नयनतारा ने सीता और श्रीकांत ने लक्ष्मण का किरदार निभाया था। साल 2006 में 'श्री राम दासू' में सुमन ने राम का किरदार निभाया, जो बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही।

अरुण गोविल

हिंदी में अरुण गोविल को साल 1980 के दशक के 'रामायण' धारावाहिक में भगवान राम के किरदार के रूप में सबसे ज्यादा लोकप्रियता मिली। रामानंद सागर के इस धारावाहिक ने उन्हें घर-घर पहुंचाया। यही नहीं, आज भी लोग उन्हें उनके किरदार की वजह से दर्शक मान-सम्मान के साथ देखते हैं।

जितेन्द्र

अभिनेता जितेन्द्र ने साल 1987 में 'लव कुश' फिल्म में राम की भूमिका निभाई। फिल्म 'लव कुश' में जया प्रदा ने सीता और अरुण गोविल ने लक्ष्मण की भूमिका की थी। यह वाल्मीकि रामायण के उत्तर कांड पर आधारित थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा सफल नहीं रही।

गुरमीत चौधरी

भगवान राम का किरदार निभाने वाले सितारों की लिस्ट में अभिनेता गुरमीत चौधरी का भी नाम शामिल है। गुरमीत ने साल 2008-2009 के टीवी शो 'रामायण' में भगवान राम का किरदार निभाया, जिससे उन्हें खासी लोकप्रियता मिली। उनकी पत्नी देबिना बनर्जी ने शो में माता सीता का रोल किया था। इस भूमिका के बाद उन्हें 'मोस्ट प्रॉमिसिंग न्यू टैलेंट ऑफ टुमारो' पुरस्कार से नवाजा गया था।

खबर संक्षेप

तेज धूप दिनभर मौसम में बदलाव

सोनहत। सोनहत में बीते दिवस से दिनभर तेज धूप दिनभर होने से मौसम अचानक बदलाव लेता नजर आने लगा है। खासकर 22 जनवरी को दिनभर तेज धूप पूरे दिनभर बने रहने गर्मी के शुरूआती मौसम होने का एहसास दिनभर बना रहा। मौसम में बदलाव होने से ठंड लगभग दिन में गायब हो गर्मी का मौसम जल्द आने जैसा लगने से दिनभर आमजन बदले मौसम की चर्चा करते नजर आए।

बुलडोजर कार्रवाई पर कांग्रेस प्रवक्ता का तीखा प्रहार

मनेन्द्रगढ़। नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी के घर पर चलाए गए बुलडोजर को कांग्रेस प्रवक्ता पूनम सिंह ने सरकार की प्रशासनिक विफलता का कवर-अप करार दिया है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार कानून-व्यवस्था संभालने में पूरी तरह नाकाम हो चुकी है और अब अपनी इस कमजोरी को छिपाने के लिए संविधानेत्तर उपायों और बुलडोजर का सहारा लेकर अपनी पीठ थपथपा रही है। कांग्रेस प्रवक्ता पूनम सिंह ने प्रदेश के मौजूदा हालातों पर चिंता जताते हुए कहा कि राज्य में अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। पूनम सिंह ने जघन्य अपराधों पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले दुर्दांत अपराधी के प्रति कोई सहानुभूति नहीं होनी चाहिए। उसे फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाकर तत्काल फांसी की सजा दी जानी चाहिए, ताकि समाज में कानून का खौफ पैदा हो,लेकिन सजा देने का काम अदालत का है, प्रशासन का नहीं।

क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

बरबसपुर। एमसीबी जिले के ग्राम पंचायत उजियारपुर में 20 जनवरी से आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ गुरूवार को हर्षोल्लास के साथ किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन क्षेत्रीय जनपद सदस्य श्रीमती रीना अग्रवाल के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर वार्ड प्रतिनिधि सहित ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लेखन दास वैष्णव, खुशबू धारी, सोमार साय, अनुपत सिंह, राकेश साहू एवं लक्ष्मण साहू की विशेष उपस्थिति रही। उद्घाटन समारोह के दौरान अतिथियों ने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील की तथा आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता को लेकर ग्रामीणों एवं युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

राष्टीय सम्मेलन में शामिल हुई नर्सिंग की छात्राएं

बैकुण्ठपुर। राजवाड़े इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग बैकुंठपुर के बीएससी नर्सिंग तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने 20 जनवरी को चौथे राष्टीय सम्मेलन में भाग लिए। इसमें बताया गया कि एआई से बाल चिकित्सा नर्सिंग, बाल चिकित्सा देखभाल वर्तमान में एआई को कैसे शिखा सकते हैं और सावधानी से चलना नैतिक कानूनी और सुरक्षा चुनौतियों का सामना कैसे कर सकते हैं। भविष्य में एआई से बाल चिकित्सा नर्सिंग देखभाल को कैसे संचालित कर सकते हैं तथा में बच्चे का वह वृद्धि और विकास एआई के माध्यम से कैसे किया जा सकता है।

हेलमेट व प्रशस्ति पत्र देकर किए गए सम्मान

50 लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

हरिभूमि न्यूज. डोमनहिल

जिला अस्पताल एमसीबी में मानवता की सेवा एवं सड़क सुरक्षा के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस और स्वास्थ्य विभाग का एक अनूठा संगम देखने को मिला। चिरमिरी पुलिस एवं रेडक्रॉस सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में जिला चिकित्सालय परिसर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 50 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा आम नागरिकों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। आयोजन को लेकर स्थानीय नागरिकों में भारी उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही

बड़ी संख्या में लोग जिला अस्पताल पहुंचने लगे थे और पूरे आयोजन के दौरान उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा। रक्तदान करने वाले प्रत्येक रक्तदाता को चिरमिरी पुलिस की ओर से प्रोत्साहित किया गया। पुलिस विभाग द्वारा जिन रक्तदाताओं के पास हेलमेट नहीं था, उन्हें हेलमेट, विशेष उपहार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सीएसपी दीपीका मिंज ने कहा कि रक्तदान महादान है। पुलिस का उद्देश्य केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों में भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाना है। वहीं थाना प्रभारी विजय सिंह ने कहा कि जिस प्रकार रक्तदान किसी का जीवन बचाता है, उसी प्रकार हेलमेट वाहन चालकों की जान की सुरक्षा करता है। हेलमेट वितरण के माध्यम से यही संदेश दिया गया है। कार्यक्रम में सीएसपी दीपीका मिंज, थाना प्रभारी चिरमिरी विजय सिंह, स्वास्थ्य विभाग से डॉ. राजेन्द्र राय, डॉ. जयंत यादव, लैब टेक्नीशियन बंटी लाल पैकरा, माया काठे, कु. पूनम, कु. प्रेरणा, रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्य, जिला अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी एवं काफी संख्या में पुलिस जवान उपस्थित रहे। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस एवं रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा आयोजित इस विशाल रक्तदान शिविर की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया।

सिरौली में 7 दिवसीय शिविर का समापन

हरिभूमि न्यूज. मनेन्द्रगढ़

जिला मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत सिरौली में राष्टीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में आयोजित 7 दिवसीय विशेष शिविर का बुधवार को विधिवत समापन किया गया। शिविर के दौरान स्वयंसेवक छात्र-छात्राओं ने सेवा, अनुशासन और सामाजिक दायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

शिविर के सातों दिनों में एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा गांव के विभिन्न मोहल्लों, सार्वजनिक स्थलों, गलियों एवं नालियों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। श्रमदान के माध्यम से साफ-सफाई कर ग्रामीणों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया। स्वयंसेवकों ने लोगों को यह समझाया कि स्वच्छता केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। सामाजिक जागरूकता को मजबूत करने के

उद्देश्य से छात्र-छात्राओं द्वारा प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को नशा मुक्ति, स्वच्छता एवं सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने का संदेश दिया गया, जिसे ग्रामीणों ने सराहा। समापन समारोह के दौरान संस्था प्राचार्य बलराज पाल ने कहा कि राष्टीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सेवा भावना, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक चेतना का विकास करती है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर छात्रों को समाज की वास्तविक समस्याओं से जोड़ते हैं और उन्हें राष्ट निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी नित्यानंद द्विवेदी के मार्गदर्शन में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, शिक्षकगण, स्वयंसेवकों एवं ग्रामीणों ने नशा मुक्त भारत की शपथ ली और नशे के विरूद्ध जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जनपद सदस्य पूजा सिंह, ग्राम पंचायत सिरौली की सरपंच जुगम बाई, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष आरसी राजवाड़े, रेशमा खातून, अमित केवट, शाला प्रबंधन समिति के अन्य सदस्य, ग्राम पंचायत सचिव सुभाष राय, विद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं काफी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जल संरक्षण: ग्रामीण-विद्यार्थियों को किया जागरूकता

बैकुण्ठपुर। विकासखण्ड बैकुंठपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत जमगहना में बीते दिवस छग रजत जयंती समारोह का आयोजन शासकीय हाई स्कूल एवं प्राथमिक शाला परिसर में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों, ग्राम जनप्रतिनिधियों एवं पंचायत सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही।

समारोह के दौरान बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, वहीं छग राज्य की विकास यात्रा, उपलब्धियों एवं योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने बच्चों को शिक्षा, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी का महत्व बताया। इस अवसर पर पीएचई विभाग के एसडीओ श्री प्रखर बेले एवं आईईसी समन्वयक अनुज मिश्र विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने छग राज्य की रजत जयंती के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा सहभागिता के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित अतिथियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं शिक्षकों ने इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों की सराहना की।

पेंशन के बिना सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षकों के लिए सरकार बनाए प्रावधान

हरिभूमि न्यूज. बैकुण्ठपुर

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने एलबी संवर्ग के शिक्षकों की गंभीर समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री से तत्काल हस्तक्षेप का आग्रह किया है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने बताया कि एलबी संवर्ग के हजारों शिक्षक पेंशन, पदोन्नति, क्रमोन्नति, टीईटी अनिवार्यता एवं उपस्थिति व्यवस्था जैसी जटिल समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिसका सीधा असर शिक्षण गुणवत्ता और शिक्षकों के मनोबल पर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि संघ की प्रमुख मांगों में एलबी शिक्षकों की प्रथम नियुक्ति (संविलियन पूर्व सेवा अवधि) को पेंशन लाभ में जोड़ना तथा केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड की तर्ज पर 20 वर्ष की अर्हकारी सेवा पर 50 प्रतिशत पेंशन का प्रावधान शामिल है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पुरानी पेंशन योजना एलबी संवर्ग के लिए संविलियन तिथि 2018 से लागू होने के कारण अनेक शिक्षक जीरो पेंशन पर सेवानिवृत्त हो रहे हैं। 70 से 90 हजार रुपये अंतिम वेतन के बाद भी बिना पेंशन जीवन यापन करना अत्यंत कठिन हो रहा है। शिक्षक समाज को दिशा देने वाले होते हैं, ऐसे में जीरो पेंशन या बिना पेंशन सेवानिवृत्ति अत्यंत अन्यायपूर्ण है। वर्तमान में न्यूनतम 10 वर्ष की सेवा अवधि पर पेंशन निर्धारण का प्रावधान होने से बड़ी संख्या में एलबी संवर्ग के शिक्षक पेंशन से वंचित रह जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री से हस्तक्षेप का किया आग्रह

अतः एसोसिएशन ने न्यूनतम 5 वर्ष की सेवा अवधि पर पेंशन निर्धारण किए जाने की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा, प्रदेश संयोजक सुधीर प्रधान, वाजिद खान, प्रदेश सचिव मनोज सनाढ्य, कोरिया जिलाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, प्रांतीय संगठन सह सचिव अशोक लाल कुर्रे, जिला सचिव महेश शिवहरे एवं जिला मीडिया प्रभारी चेतनारायण कश्यप ने बताया कि राज्य में लगभग 30 हजार सहायक शिक्षक पदोन्नति एवं क्रमोन्नति से वंचित हैं। एसोसिएशन की थीम के अनुसार जिस प्रकार वन टाइम रिलेक्सेशन के तहत पदोन्नति में 3 वर्ष की छूट दी गई, उसी प्रकार क्रमोन्नति में भी 10 वर्ष की सेवा अवधि को शिथिल कर 5 वर्ष में लाभ दिया जाना चाहिए।

प्राण-प्रतिष्ठा के द्वितीय वर्ष पूरे होने पर धार्मिक आयोजन

मनेन्द्रगढ़। नगर के मौहारपारा क्षेत्र में स्थित बाला जी महाराज मंदिर में मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा के द्वितीय वर्ष पूर्ण होने के पावन अवसर पर भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में सुंदरकांड पाठ, प्रभु श्रीराम जी और श्री हनुमान जी का विधिवत पूजन सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। आयोजन समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम 22 जनवरी को सुबह 8 बजे शोभा यात्रा के साथ प्रारंभ होगा। इसके बाद सुबह 9.30 बजे वेदी पूजन और प्रभु श्रीराम जी का पूजन किया जाएगा, वहीं श्री हनुमान जी का पूजन, हवन एवं पूणाहुति विधि-विधान से संपन्न कराई जाएगी। दोपहर 2 बजे से भोग, भंडारा और प्रसाद वितरण का आयोजन रखा गया है। इसमें काफी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। शाम 7 बजे महाआरती होगी। इसकेबाद शाम 7.30 बजे से सुंदरकांड पाठ और भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।

राम मंदिर में कलश यात्रा धूमधाम से मना श्रीराम जन्मोत्सव

बरबसपुर। एमसीबी जिले के ग्राम पंचायत बरबसपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत लोहारी स्थित राम मंदिर में श्रीराम जन्मोत्सव के अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस पावन अवसर पर ग्राम पंचायत लोहारी के समस्त ग्रामवासी श्रद्धा और उत्साह के साथ शामिल हुए। कलश यात्रा में सरपंच मोती सिंह, उप सरपंच रामसजीवन साहू, राजकुमार साहू सहित काफी संख्या में महिलाएं, पुरूष एवं नन्हे-मुन्ने बच्चे शामिल रहे। यात्रा राम मंदिर से प्रारंभ होकर पूरे गांव का भ्रमण करते हुए पुनः मंदिर परिसर में आकर संपन्न हुई। श्रद्धालुओं द्वारा भगवान श्रीराम के जयकारों के साथ रैली निकाली गई तथा पूरे गांव में भक्तिमय वातावरण बना रहा। कार्यक्रम को बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ श्रीराम जन्मोत्सव के रूप में मनाया गया।

लायंस क्लब ने किया खिचड़ी महाप्रसाद भंडारा

हरिभूमि न्यूज. मनेन्द्रगढ़

लायंस क्लब मनेन्द्रगढ़ एवं लायंस क्लब मनेन्द्रगढ़ प्राइड के संयुक्त तत्वाधान में हंगर एक्टिविटीज के अंतर्गत बुधवार बाजार वाले दिन को श्रीराम मंदिर मनेन्द्रगढ़ के सामने खिचड़ी महाप्रसाद भोग भंडारा का सफल आयोजन किया गया। इस पुण्य अवसर पर नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से आए 1000 से अधिक श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंदों ने महाप्रसाद ग्रहण कर लाभ प्राप्त किया। बुधवार को साप्ताहिक बाजार होने के कारण श्रद्धालुओं की संख्या विशेष रूप से अधिक रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 1 बजे हुआ, जिसमें दोनों क्लबों के सभी सदस्यों ने सेवा भाव से सक्रिय सहभागिता निभाई।

भंडारा आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। दोनों लायंस क्लबों के सदस्यों द्वारा अनुशासन, समर्पण एवं सेवा भाव के साथ प्रसाद वितरण किया गया, इससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। आयोजकों द्वारा स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम स्थल पर जगह-जगह डस्टबीन की समुचित व्यवस्था की गई थी। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए बैठने एवं शुद्ध पेयजल की भी उचित व्यवस्था की गई, जिससे सभी को सुविधा प्राप्त हुई। लायंस क्लब मनेन्द्रगढ़ के सचिव एमजेएफ लॉयन नीरज अग्रवाल ने बताया कि दोनों क्लब भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक एवं सेवा कार्य निरंतर करते रहेंगे। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी सदस्यों, सहयोगियों एवं नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में लायंस क्लब मनेन्द्रगढ़ के अध्यक्ष लॉयन कृष्णकांत ताम्रकार, कोषाध्यक्ष लॉयन अनीश गुप्ता, सदस्यगण लॉयन जितेश चावड़ा, लॉयन मुकेश अग्रवाल, लॉयन पंकज गोयल, लॉयन डॉ. सुमित आचार्या, लॉयन अशोक जायसवाल की सक्रिय सहभागिता रही। साथ ही लायंस क्लब मनेन्द्रगढ़ प्राइड की अध्यक्ष पूनम सिंह, सचिव प्रियंका अग्रवाल एवं सदस्यगण एमजेएफ लॉयन डॉ. मंजुलिका करन, एमजेएफ लॉयन सुधा सोनी, अरूणा अग्रवाल, अंशु अग्रवाल, रूपा पोद्दार, संगीता शर्मा ने भी सेवा भाव के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महिला लीग में सीमा सम्मानित

चिरमिरी। रायपुर के अग्रसेन भवन में तीन दिवसीय अस्मिता योगासन महिला लीग 2025 (पश्चिमी क्षेत्र) आयोजित किया गया। खेलो इंडिया अस्मिता 2025-26 में आठ राज्यों की लड़कियों ने भाग लिया। जिसमें सीमा सिंह को योगासन प्रतियोगिता में जजिंग की भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। सीमा सिंह डीएवी चिरमिरी स्कूल में गत 20 वर्षों से स्पोर्टस टीचर के तौर पर कार्यरत हैं। उन्होंने विभिन्न राष्टीय स्तर की योगासन प्रतियोगिताओं में जज के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। उन्हें जजमेंट के कार्य और योगासन के प्रति जागरूकता के लिए स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एसएआई) द्वारा आधिकारिक रूप से सम्मानित किया गया है।

विकास बने भाजयुमो बैकुंठपुर मंडल अध्यक्ष

बैकुण्ठपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) जिला कोरिया की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा के साथ ही संगठन में उत्साह का माहौल है। भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकरिहा एवं भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी के मार्गदर्शन तथा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सतेन्द्र राजवाड़े के नेतृत्व में बैकुंठपुर मंडल के लिए विकास दुबे को मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से समर्थकों, युवा कार्यकर्ताओं एवं प्रशंसकों में हर्ष व्याप्त है। विकास दुबे इससे पूर्व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) में सक्रिय छात्र नेता रहे हैं। उन्होंने नगर मंत्री, युवा मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष सहित विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। संगठनात्मक अनुभव और युवाओं के बीच लोकप्रियता के चलते उनकी नियुक्ति को संगठन के लिए मजबूती देने वाला कदम माना जा रहा है। उनके नेतृत्व में शहर मंडल बैकुंठपुर में संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है। नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष के रूप में विकास दुबे ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को मंडल, शक्ति केन्द्र और बूथ स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकरिहा, भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी एवं युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सतेन्द्र राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वे संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे।

कोरिया में खुले मेडिकल कॉलेज

बैकुण्ठपुर। शहर के सामाजिक कार्यकर्ता सौरभ सिंह ने मुख्यमंत्री छग शासन को पत्र लिखकर कोरिया जिले के विकास के लिए विभिन्न मांग की, जिससे कि जिले का सर्वांगीन विकास हो सके। सौरभ सिंह द्वारा सीएम को लिखे पत्र में पहली प्राथमिकता वाली मांगों में एक कोरिया को संभाग बनाने की शीघ्र घोषणा शामलि है। उन्होंने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि कोरिया, सूरजपुर तथा एमसीबी जिले को मिलाकर नया कोरिया संभाग बनाया जाए, इससे कोरिया का विकास तेजी से होगा। इसके अलावा कोरिया जिले में मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, विधि महाविद्यालय की स्थापना किए जाने की मांग की। पत्र में उल्लेख किया गया है कि कोरिया में बिजली संयंत्र की स्थापना, रोजगार आधारित स्किल डेमवलपमेंट करने तथा जिले के विकास के लिए विशेष बजट देने की मांग की। उल्लेखनीय है कि कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में विधि कॉलेज की मांग काफी पुरानी है, लेकिन अब तक विधि कक्षाओं का संचालन की अनुमति नहीं मिल पाई है।

पृष्ठ 1 का शेष

निरंतर प्रयास और...

द्वारा बनाए गए विभिन्न चित्रों का निरीक्षण किया गया। इसके बाद महाविद्यालय में आयोजित कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम में शिरकत किए। मुख्य अतिथि कलेक्टर कोरिया श्रीमती त्रिपाठी ने छात्र-छात्राओं को आगे बढ़कर सिविल सेवा की मार्ग पर आगे बढ़ने की सलाह दी। जिला पंचायत सीईओ डॉ.आशुतोष चतुर्वेदी ने लगन और निरंतर प्रयास करके मन और लगन से कार्य कर सफलता प्राप्त करने की सीख दिए। कार्यक्रम में अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। अंत में सहा प्राध्यापक सुश्री पूनम टोप्पो ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। वहीं कार्यक्रम में दीपा चक्रधारी ने भी छात्र-छात्राएं के ओर से धन्यवाद ज्ञापन किए। कार्यक्रम में मंच संचालन श्रीमती दुर्गावती राजवाड़े ने किया। रोहित साहू, डॉक्टर अरविंद, डॉ.नितिन द्विवेदी, डॉ.संदीप, सुदीप साकेत, पंकज,अशोक, गजेन्द्र, मनोज, आकाश, श्रीमती स्नेहा , श्रीमती जया, सियाराम, अमितरंजन, दीपक, मिथलेश, कृष्ण बिहारी, रमेश, राहुल, श्रीमती मनीषा डॉ.गुलजार सिंह आदि मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा के नन्हे सिपाहियों के नाम एसपी का संदेश

मनेन्द्रगढ़। सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह ने बच्चों को नन्हे सिपाही मानते हुए एक भावनात्मक और प्रेरणादायक संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि बच्चे केवल देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि अपने परिवार और समाज के सबसे प्रभावशाली शिक्षक भी हैं। अपने संदेश में एसपी ने कहा कि वे आज बच्चों से एक अधिकारी के रूप में नहीं, बल्कि एक बड़ी बहन और शुभचिंतक के नाते बात कर रही हैं। उन्होंने बताया कि ड्यूटी के दौरान उन्होंने कई सड़क हादसे देखे हैं, जिनमें अक्सर यह सोच भारी पड़ जाती है कि कुछ नहीं होगा या पास में ही तो जाना है।

गणतंत्र दिवस के परेड के लिए तैयारियां जोरों पर

बैकुण्ठपुर। मिनी स्टेडियम में गणतंत्र दिवस परेड का पूर्वाभ्यास बीते कई दिनों से चल रहा है। प्रतिदिन सुबह एवं दोपहर बाद मिनी स्टेडियम में स्कूली छात्र-छात्राओं,एनसीसी कैडेट्स, नगरसेना के जवान, पुलिस के जवानों के द्वारा गणतंत्र दिवस के लिए परेड का पूर्वाभ्यास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार प्रतिदिन सुबह निर्धारित समय पर मिनी स्टेडियम में शासकीय आदर्श कन्या विद्यालय की छात्राएं, नवोदय विद्यालय के छात्राएं, एनसीसी, महिला नगर सैनिक, पुलिस के जवान परेड का पूर्व अभ्यास करते हैं और दोपहर बाद भी परेड का पूर्वाभ्यास किया जाता है। पुलिस बैंड की धून पर कदम ताल एवं परेड में एकरूपता लाने के लिए दोनों समय प्रतिदिन परेड का अभ्यास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार 24 जनवरी को फूल ड्रेड परेड आयोजित की जाएगी। इसके बाद आगामी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर आकर्षक मार्च पास्ट किया जाएगा। इसके अलावा गणतंत्र दिवस के जिला स्तरीय समारोह में जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के योजनाओं को प्रदर्शित करने के लिए आकर्षक झांकी भी निकाली जाएगी।

भईयालाल करेंगे ध्वजारोहण

इस बार के गणतंत्र दिवस के जिला स्तरीय समारोह में बैकुंठपुर विधायक एवं पूर्व मंत्री भईयालाल राजवाड़े बतौर मुख्य अतिथि ध्वजारोहण करेंगे। इस आशय का पत्र सामान्य प्रशासन विभाग के उप सचिव के हस्ताक्षर से जारी कर दिया गया है।